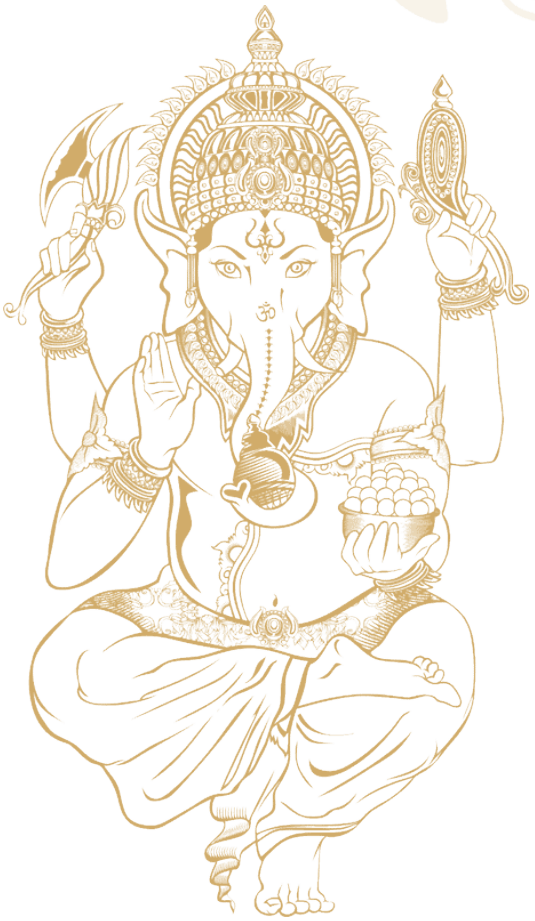

Taljinder singh

22 Sep 2003

04:15 AM

Kurukshetra

Model: web-freekundliweb

Order No: 121784506

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**21-22/09/2003**
दिन	रवि-सोमवार
जन्म समय	**04:15:00 घंटे**
इष्ट	55:12:19 घटी
स्थान	**Kurukshetra**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:59:00 उत्तर
रेखांश	76:51:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:52:24 घंटे
वेलान्तर	00:06:42 घंटे
साम्पातिक काल	03:53:59 घंटे
सूर्योदय	06:10:04 घंटे
सूर्यास्त	18:21:10 घंटे
दिनमान	12:11:06 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	04:37:32 कन्या
लग्न के अंश	08:46:36 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 3**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शिव
करण	बालव
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	मेष
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	हो-होशियार
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	08:46:36	309:55:52	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	---
सूर्य			कन्या	04:37:32	00:58:41	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	सम राशि
चंद्र			कर्क	10:47:04	13:00:06	पुष्य	3	8	चंद्र	शनि	सूर्य	स्वराशि
मंगल	व		कुंभ	06:24:27	00:04:18	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	सम राशि
बुध			सिंह	18:30:03	00:15:23	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	मित्र राशि
गुरु			सिंह	11:34:29	00:12:32	मघा	4	10	सूर्य	केतु	बुध	मित्र राशि
शुक्र			कन्या	13:54:12	01:14:36	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	गुरु	नीच राशि
शनि			मिथु	18:17:00	00:03:36	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	चंद्र	मित्र राशि
राहु	व		मेष	28:04:49	00:06:18	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	शत्रु राशि
केतु	व		तुला	28:04:49	00:06:18	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	सम राशि
हर्ष	व		कुंभ	05:51:32	00:02:00	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	---
नेप	व		मक	16:45:07	00:00:57	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो			वृश्चि	23:29:04	00:00:46	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	---
दशम भाव			वृष	06:44:33	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:54:19

लग्न-चलित

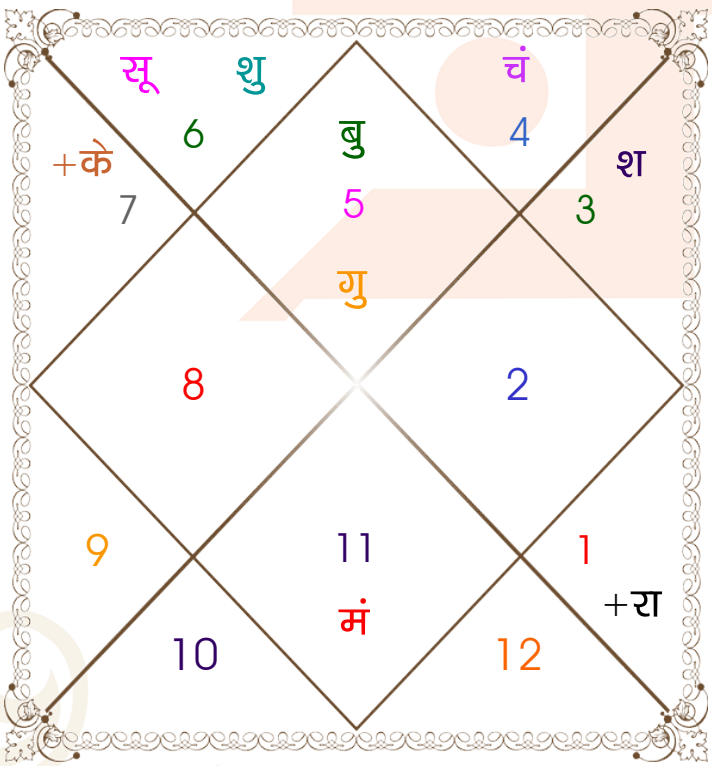

चन्द्र कुंडली

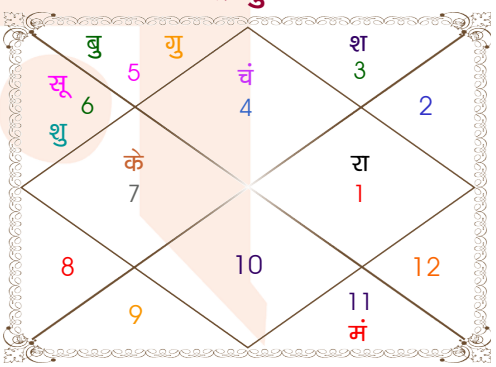

नवमांश कुंडली

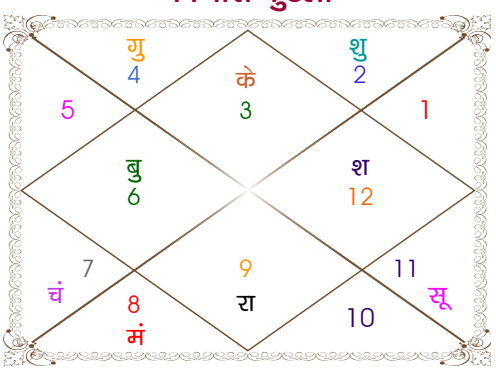

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 8 वर्ष 4 मास 17 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
22/09/2003		08/02/2012		07/02/2029		08/02/2036		08/02/2056	
08/02/2012		07/02/2029		08/02/2036		08/02/2056		08/02/2062	
	00/00/0000	बुध	07/07/2014	केतु	07/07/2029	शुक्र	10/06/2039	सूर्य	28/05/2056
	00/00/0000	केतु	04/07/2015	शुक्र	06/09/2030	सूर्य	09/06/2040	चंद्र	26/11/2056
	00/00/0000	शुक्र	04/05/2018	सूर्य	12/01/2031	चंद्र	08/02/2042	मंगल	03/04/2057
	22/09/2003	सूर्य	10/03/2019	चंद्र	13/08/2031	मंगल	10/04/2043	राहु	26/02/2058
सूर्य	12/01/2004	चंद्र	09/08/2020	मंगल	09/01/2032	राहु	10/04/2046	गुरु	15/12/2058
चंद्र	12/08/2005	मंगल	06/08/2021	राहु	26/01/2033	गुरु	09/12/2048	शनि	27/11/2059
मंगल	21/09/2006	राहु	23/02/2024	गुरु	02/01/2034	शनि	08/02/2052	बुध	03/10/2060
राहु	28/07/2009	गुरु	31/05/2026	शनि	11/02/2035	बुध	09/12/2054	केतु	07/02/2061
गुरु	08/02/2012	शनि	07/02/2029	बुध	08/02/2036	केतु	08/02/2056	शुक्र	08/02/2062

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
08/02/2062		08/02/2072		08/02/2079		07/02/2097		08/02/2113	
08/02/2072		08/02/2079		07/02/2097		08/02/2113		00/00/0000	
चंद्र	09/12/2062	मंगल	06/07/2072	राहु	21/10/2081	गुरु	29/03/2099	शनि	12/02/2116
मंगल	10/07/2063	राहु	25/07/2073	गुरु	16/03/2084	शनि	10/10/2101	बुध	22/10/2118
राहु	08/01/2065	गुरु	01/07/2074	शनि	21/01/2087	बुध	16/01/2104	केतु	01/12/2119
गुरु	10/05/2066	शनि	10/08/2075	बुध	09/08/2089	केतु	22/12/2104	शुक्र	31/01/2123
शनि	09/12/2067	बुध	06/08/2076	केतु	28/08/2090	शुक्र	23/08/2107	सूर्य	23/09/2123
बुध	10/05/2069	केतु	02/01/2077	शुक्र	27/08/2093	सूर्य	10/06/2108		00/00/0000
केतु	09/12/2069	शुक्र	04/03/2078	सूर्य	22/07/2094	चंद्र	10/10/2109		00/00/0000
शुक्र	10/08/2071	सूर्य	10/07/2078	चंद्र	21/01/2096	मंगल	16/09/2110		00/00/0000
सूर्य	08/02/2072	चंद्र	08/02/2079	मंगल	07/02/2097	राहु	08/02/2113		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 8 वर्ष 3 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर सिंह लग्न के साथ-साथ मिथुन राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक प्रभाव से ऐसा दृष्टिगोचर हो रहा है कि आप सर्वविद्या संपन्न, सभी सुविधाओं से युक्त, सौभाग्यशाली पुरुषों में अद्वितीय है। आपके जन्म से यह आनंद युक्त प्रभावशाली जीवन प्राप्त हुआ है। आप में सभी प्रकार के अपेक्षित गुण विद्य मान है। आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली सुंदर, पूर्ण विकसित अंग के साथ-साथ चौड़ा कंधा, एवं आंखें आकर्षक है। आप विद्वान, संपूर्ण गुणों से युक्त एवं सक्षम अपने उद्देश्य के लिए समर्पित पूर्ण निष्ठावान, आश्वस्त तथा साहसी पुरुष हैं।

आप में उत्तम प्रकार का चारित्रिक बल विद्यमान है। आप में ऐसे प्राकृतिक गुण हैं कि आपकी अच्छी आय की प्राप्ति होगी तथा जनसामान्य द्वारा अधिकार पूर्ण सम्मान भी प्राप्त होगा। आप मित्रों के द्वारा समर्थित शुभाकांक्षी एवं अपने पारिवारिक सदस्यों द्वारा पसंद एवं श्रद्धावान होगें।

आप में जन्म से नेतृत्व के सभी गुण विद्यमान हैं। आप अपने व्यवसाय में उच्च स्तरीय उन्नति करेंगे। आप कार्य व्यवसाय के बारे में आत्म समर्पित होकर उसके पीछे-पीछे वैधानिक रीति से अपने उद्देश्य में सफल हो, तो आप दूसरे के आदेश को ग्रहण नही करते।

आप गंभीर विषयों पर स्वयं विचार कर निर्णय लेंगे परंतु छोटी बातों पर विचार हेतु अपने अधिनस्थ कार्यकर्त्ता पर छोड़ देंगे। क्योंकि आप बड़ी कंपनी अथवा कारपोरेशन के उच्च कोटि के पद पर आसीन होकर लाभान्वित होंगे।

आप अपने अभिभावक के प्रति पूर्ण आस्थावान एवं समर्पित व्यक्ति हैं तथा आपका सुझाव धार्मिक एवं अध्यात्म की ओर है एवं आप इच्छुक तथा जरूरत मंद लोगों की सहायता अवश्य करते हैं। आप दानशील हैं तथा आपकी इच्छा रहती है कि यदि धन उपलब्ध हो तो निश्चित रूप से दान पुण्य तथा जरूर मंद अन्य लोगों की मदद करें।

आप जनसामान्य की नजरों में एक प्रभावशाली महत्वाकांक्षी होकर समाजसेवी के रूप में अपनी धाक जमाने वाले हैं। इस प्रकार की भावनाओं की पूर्ति हेतु आपको अपनी छोटी थैली को धन से सुदृढ़ करना पड़ेगा। आप चाहते हैं कि आप अपने परिवार सहित किसी भी धार्मिक तथा सामाजिक सम्मेलन में भाग लेकर बहुत धन दान कर आयोजन को सफल बनाने का कार्य करें। साथ ही आप अपने गृह को सुंदर बनावट एवं सुसज्जित कर अपने मित्रों की दृष्टि में सम्मानित हों। परिणाम स्वरूप एक दिन आपको यह अनुभव करना होगा कि मेरी धन संपत्ति की बड़ी क्षति होगी। अतः आपको अपनी उच्च आय के प्रति सामंजस्य व्ययकारी प्रवृति में बदलाव लाना चाहिए ताकि कालांतर में अति व्ययकारी प्रवृति के प्रति पश्चाताप न करना पड़े।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा परंतु आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति जीवन

को क्षयरोग से बाधित कर सकता है। यह संभव है कि आप की बृद्धावस्था हृदय रोग एवं मेरुदंडीय कष्ट से युक्त हो। आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति, अति भोजन मद्यपान आदि सभी हानिकारक वस्तुओं का एक साथ त्याग कर देना चाहिए।

आप वास्तव में अपने मित्रों के मित्र हैं। आप अपने ढंग से उनकी मदद करेंगे। ताकि एक व्यक्ति ही नही सभी व्यक्तियों के द्वारा आप महत्वपूर्ण एवं सम्मानित समझे जाएं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 1, 4 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल है। परंतु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए अनुपयुक्त अर्थात् विरोधात्मक है।

आप यदि अधिक लाभ उपार्जित करना चाहते हैं तो रंग नारंगी, लाल एवं हरे रंग के वस्त्रों का व्यवहार करें परंतु काला और सफेद रंग आपके लिए त्याज्यनीय है।